स्वदेशी जनजातियों का उपनिवेशीकरण

प्रिलिम्स के लिये:

माओरी जनजाति, कांगो, **बदूईन और सेनुसी जनजातियाँ**, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी, फ्रेंच गुयाना, फॉकलैंड द्वीप, ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (BIOT), मूल निवासी, राष्ट्रीय उद्यान, संप्रभुता।

मेन्स के लिये:

उपनिवेशवाद का इतिहास और समकालीन विश्व पर इसका प्रभाव।

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में न्यूज़ीलैंड के माओरी राजा, **किंगी तुहेतिया पूताताऊ ते वेरोहीरो VII** का अपने शासन की 18वीं वर्षगाँठ के जश्न के कुछ दिनों बाद निधन हो गया।

- वह **किंगिटांगा मूवमेंट** (माओरी राजा आंदोलन) में 7वें सम्राट थे।
  - **किंगिटांगा मूवमेंट** की स्थापना **सन् 1858 में ब्रिटिश उपनिवेशवाद के विरुद्ध** न्यूज़ीलैंड के मूल निवासी **माओरी जनजातियों को एकजुट करने के लिये** की गई थी।
    - इस आंदोलन का प्राथमिक लक्ष्य गैर-मूल निवासियों को भूमि की बिक्री को समाप्त करना और अंतर-जनजातीय युद्ध को रोकना था।

//

यूरोपियों द्वारा उपनिवेशित विभिन्न मूल जनजातियाँ कौन-कौन सी थीं?

- **न्यूज़ीलैंड में माओरी:** जनसंख्या, राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था के मामले में न्यूज़ीलैंड **विशेष रूप से माओरी वर्ल्ड** से **पाकेहा (यूरोपीय)** के प्रभुत्व वाले विश्व में परिवर्तित हो गया।
  - यह परिवर्तन **वर्ष 1769 में कैप्टन जेम्स कुक के आगमन** और **वर्ष 1914 में** [प्रथम विश्व युद्ध](#) के दौरान हुआ।
  - न्यूज़ीलैंड में भूमि स्वामित्व और स्वदेशी संसाधनों पर ब्रिटिश नियंत्रण को लेकर माओरी तथा यूरोपीय लोगों के बीच कई संघर्ष हुए। उदाहरण के लिये, **वैराऊ घाटी संघर्ष (वर्ष 1843)**, **फ्लैगस्टाफ युद्ध (वर्ष 1845-46), वाइकाटो युद्ध (वर्ष 1863-64)** आदि।
- **ऑस्ट्रेलिया में आदिम निवासी:** आदिवासी भूमि पर ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने इस आधार पर कब्ज़ा कर लिया था कि यह भूमि **'किसी की नहीं' ('टेरा नुलियस')** है।
  - आदिम निवासियों का भूमि से [आध्यात्मिक और विरासत के आधार पर जुड़ाव](#) था। फिर भी, वे ब्रिटिश संप्रभुता में विश्वास नहीं करते थे।
  - ऑस्ट्रेलिया के उपनिवेशीकरण के परिणामस्वरूप आदिम निवासियों की **आबादी में भारी गिरावट** आई।
  - कई स्थानीय पुरुष, महिलाएँ और बच्चे ऐसी **बीमारियों** से मर गए, जिनके प्रति उनमें कोई **प्रतिरोध नहीं** था, जैसे- **चेचक, इन्फ्लूएंज़ा और खसरा**।
  - कई लोग यादृच्छिक हत्याओं, दंडात्मक अभियानों और संगठित नरसंहारों में भी मारे गए, जैसे कि **मायल क्रीक नरसंहार (वर्ष 1838)**।
- **उत्तरी अमेरिका के रेड इंडियन: वर्ष 1492** में शुरू हुए अमेरिका के यूरोपीय उपनिवेशीकरण के परिणामस्वरूप [चेचक](#) जैसी नई बीमारियों के कारण मूल **अमेरिकी आबादी में काफी कमी** आई।
  - **19वीं सदी** के उत्तरार्द्ध में भारतीय युद्धों के अंत तक 238,000 से भी **कम मूल निवासी बचे** थे, जो **वर्ष 1492 में** कोलंबस के आगमन पर उत्तरी अमेरिका में रहने वाले **अनुमानित 5 मिलियन से 15 मिलियन तक की तीव्र गिरावट** थी। उदाहरण के लिये **ग्नाडेनहुटेन नरसंहार (वर्ष 1782)।**
- **दक्षिण अफ्रीका में बोअर युद्ध: वर्ष 1899 और वर्ष 1902** के दौरान, ब्रिटिश सेना ने **दक्षिण अफ्रीका में बोअर्स** के विरुद्ध एक भयंकर औपनिवेशिक युद्ध लड़ा।
  - बोअर डच या जर्मन वंश के दक्षिण अफ्रीकी थे, विशेष रूप से ट्रांसवाल और ऑरेंज फ्री स्टेट के **प्रारंभिक निवासियों** वालों में से एक।
- **अफ्रीका में नरसंहार:**
  - **नामीबिया:** नामीबिया में, **जर्मन औपनिवेशिक अधिकारियों** ने **हेरेरो और नामा जनजाति** के लोगों द्वारा अपनी भूमि, पशुधन तथा संसाधनों के अधिग्रहण का विरोध करते हुए विद्रोह करने पर उनका क्रूरता से नरसंहार किया।
  - **कांगो: बेल्जियम के राजा लियोपोल्ड द्वितीय** की एक निजी उपनिवेश, [कांगो मुक्त राज्य](#), में रबर कोटा लागू करने के लिये मूल जनजाति

के लोगों के साथ अत्यधिक हिंसा हुई जिसमें लोगों के साथ **मार-काट, यातना और नरसंहार** की घटनाएँ शामिल हैं।
    - **लीबिया:** लीबिया में इटली के औपनिवेशिक शासन के दौरान, बेडौइन और सेनुसी जैसी मूल जनजातियों ने अपनी भूमि और संसाधनों को ज़ब्त करने के इतालवी प्रयासों का विरोध किया।
        - इटली ने क्रूर प्रतिवाद रणनीति अपनाई, जिसमें लोगों को बंदी शिविर भेजा गया और बड़े पैमाने पर फाँसी की सज़ा दी गई। इस अवधि के दौरान अनुमानित रूप से 80,000 से 100,000 लीबियाई की मृत्यु हुई।

उपनिवेशवाद क्या है?

- उपनिवेशवाद को "**किसी एक शक्ति द्वारा किसी आश्रित क्षेत्र या लोगों पर नियंत्रण**" के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- यह तब होता है जब एक राष्ट्र दूसरे को अपने **अधीन** कर लेता है, वहाँ के लोगों पर नियंत्रण स्थापित करता है और उसका शोषण करता है तथा प्रमुखतः **अपनी भाषा एवं सांस्कृतिक मूल्यों** को वहाँ के लोगों पर थोपता है।
- वर्ष 1914 तक, विश्व के अधिकांश राष्ट्र किसी न किसी अवधि में **यूरोप** द्वारा उपनिवेशित किये जा चुके थे।
- प्रमुख उपनिवेशवादी राष्ट्र **पुर्तगाल, स्पेन, इंग्लैंड, नीदरलैंड, फ्राँस और जर्मनी** थे।
- पूर्व में उपनिवेश रहे देश भी अंततः स्वयं उपनिवेशवादी बन गए। उदाहरण के लिये अमेरिका, जो पहले ग्रेट ब्रिटेन के अधीन था, ने स्वतंत्रता संग्राम की सफलता के तुरंत बाद अपने क्षेत्र का विस्तार किया और तत्पश्चात् **प्रशांत और लैटिन अमेरिका** पर अपना विस्तार किया।
- भारत में **200** से अधिक **वर्षों** तक ब्रिटिश साम्राज्य का शासन रहा। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने ब्रिटिश क्राउन की सहयता से 18वीं शताब्दी में धीरे-धीरे भारत के अधिकांश भाग पर कब्ज़ा कर लिया।

आधुनिक विश्व में औपनिवेशिक आधिपत्य के उदाहरण क्या हैं?

- **फ्रेंच गुयाना:** फ्रेंच गुयाना **दक्षिण अमेरिका** के उत्तरी अटलांटिक तट पर स्थित है।
    - फ्रेंच गुयाना दक्षिण अमेरिका में एक यूरोपीय अस्तित्व का प्रतीक है।
    - फ्रेंच गुयाना फ्राँस के एक क्षेत्रीय समूह के रूप में फ्राँसीसी संविधान के प्रावधानों द्वारा शासित है।
        - यह **फ्राँसीसी गणराज्य का अभिन्न अंग** है।
- **फॉकलैंड द्वीप:** फॉकलैंड द्वीप **यूनाइटेड किंगडम** का एक विदेशी क्षेत्र है लेकिन **अर्जेंटीना** भी उन पर दावा करता है, जो उन्हें **लास माल्विनास** कहता है।
    - वर्ष 1982 में फॉकलैंड द्वीप पर नियंत्रण को लेकर अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन के बीच युद्ध हुआ था।
- **रीयूनियन द्वीप:** इसकी स्थापना 17वीं शताब्दी में **फ्राँसीसियों** ने की थी। यह **फ्राँस के अनेक विदेशी क्षेत्रों** में से एक है।
- **गुआम द्वीप:** संयुक्त राज्य अमेरिका ने **1898 के स्पेनिश-अमेरिकी युद्ध** के बाद **उत्तरी प्रशांत महासागर** में गुआम द्वीप पर कब्ज़ा कर लिया। यहाँ अमेरिका की बड़ी सैन्य उपस्थिति है।
- **ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (BIOT):** BIOT **58 द्वीपों** का एक समूह है जो लगभग 640,000 वर्ग किलोमीटर विस्तृत है। इसका प्रशासन लंदन करता है और यह लगभग **पूर्वी अफ्रीका और इंडोनेशिया** के मध्य में स्थित है।

वर्तमान समय में स्वदेशी लोगों के सामने क्या चुनौतियाँ हैं?

- **हरित उपनिवेशवाद:** ग्लोबल नार्थ के देश ग्लोबल साउथ के देशों में **सैन्यीकृत किला संरक्षण मॉडल** को बढ़ावा देते हैं।
    - ग्लोबल नार्थ अक्सर स्वदेशी लोगों के क्षेत्रों को निशाना बनाता है, जिन्हें वहाँ से भगा दिया गया है ताकि उन ज़मीनों कोराष्ट्रीय उद्यानों में शामिल किया जा सके।
    - इस परिघटना को **'हरित उपनिवेशवाद'** कहा जाता है और यह बताता है कि कैसे वैश्विक उत्तर के **'बिग ग्रीन' संरक्षण NGO** मूल निवासियों पर औपनिवेशिक शक्ति को मज़बूत कर रहे हैं।
- **नवउपनिवेशवाद:** नवउपनिवेशवाद साम्राज्यवाद का एक रूप है, जहाँ एक राज्य **राष्ट्रीय संप्रभुता** का दिखावा बनाए रखते हुए, दूसरे देश को नियंत्रित करने और उसका शोषण करने के लिये **आर्थिक, राजनीतिक तथा मनोवैज्ञानिक दबाव** का उपयोग करता है।
    - यह एक ऐसी प्रणाली है जिसमें **पूर्व औपनिवेशिक शक्तियाँ और नई महाशक्तियाँ किसी क्षेत्र** पर नियंत्रण बनाए रखने के लिये आर्थिक और राजनीतिक रणनीतियों का उपयोग करती हैं। **उदाहरणतः वियतनाम और अफगानिस्तान पर अमेरिकी आक्रमण, अमेरिका द्वारा अमित्र देशों में शासन परिवर्तन लागू करना।**
- **जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:** जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष परिणामों का सामना करने वाले सबसे पहले लोगों में स्वदेशी लोग शामिल हैं।
    - जलवायु परिवर्तन से उन आवासों और पारिस्थितिकी तंत्रों को खतरा है जिन पर मूल निवासी लोग भोजन, पानी, दवा, आजीविका तथा सांस्कृतिक पहचान के लिये निर्भर हैं।
- **आत्मनिर्णय के उनके अधिकार का अतिक्रमण:** कई स्वदेशी लोगों को अपनी सरकार या राजनीतिक व्यवस्था को स्वतंत्र रूप से चुनने के अधिकार से वंचित किया जाता है। उदाहरणतः इंडोनेशियाई सरकार ने **पश्चिमी पापुआ में असंतोष और प्रतिरोध को दबाने के लिये सैन्य तथा पुलिस** बलों को नियुक्त किया है।
    - यह इस तथ्य के बावजूद है कि 15वीं शताब्दी के बाद उपनिवेशवादियों के आगमन से पहले हज़ारों वर्षों तक स्वदेशी लोग स्वतंत्र रूप से अपना शासन चला रहे थे।
- **जबरन समावेशन:** 19वीं और 20वीं शताब्दियों के दौरान, **कनाडा ने मूलनिवासी बच्चों को उनके परिवारों से अलग कर दिया** और उन्हें संघ द्वारा वित्तपोषित बोर्डिंग स्कूलों में भेज दिया, जिसका उद्देश्य उन्हें व्यापक कनाडाई समाज में समाहित करना था।

    - इन 'भारतीय आवासीय विद्यालयों' में उन्हें अपनी भाषा बोलने या अपनी सांस्कृतिक विरासत और पहचान व्यक्त करने की अनुमति नहीं थी।
- **सांस्कृतिक भूमि पर उनके अधिकार का अतिक्रमण:** मूल निवासियों की भूमि, जो हमारे ग्रह की 80% से अधिक जैवविविधता का घर है और अक्सर प्राकृतिक संसाधनों, जैसे **तेल, गैस और खनिजों** से समृद्ध होती है, को निहित प्राधिकारियों द्वारा नियमित रूप से हड़प लिया जाता है, बेच दिया जाता है, पट्टे पर दे दिया जाता है या लूट लिया जाता है और प्रदूषित कर दिया जाता है।

आगे की राह

- **भूमि अधिकारों की बहाली: फ्रेंच गुयाना, फॉकलैंड द्वीप समूह,** रियूनियन, गुआम और ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र जैसे उपनिवेशों को **मूल मालिकों को लौटा दिया जाना चाहिये** तथा स्थानीय आबादी के आत्मनिर्णय के अधिकारों को मान्यता दी जानी चाहिये।
- **समावेशी संरक्षण मॉडल को बढ़ावा देना:** सैन्यीकृत बहिष्करण संरक्षण मॉडल से हटकर ऐसे दृष्टिकोण अपनाना चाहिये जो **स्वदेशी संप्रभुता** का सम्मान करते हों।
    - यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि स्वदेशी लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाए तथा **जैवविविधता के संरक्षक** के रूप में उनकी भूमिका को स्वीकार किया जाए।
- **जबरन आत्मसातीकरण प्रथाओं को समाप्त करना:** स्वदेशी भाषाओं, परंपराओं और पहचानों के लिये पुनर्स्थापनात्मक न्याय, सांस्कृतिक पुनरोद्धार कार्यक्रमों तथा कानूनी सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहिये।
- **स्वदेशी भूमि और संसाधनों की रक्षा करना:** ऐसे कानून लागू करना जो स्वदेशी भूमि को अवैध विनियोग और संसाधन शोषण से सुरक्षित रखें। निष्पक्ष भूमि उपयोग नीतियों को बढ़ावा दें जो जैवविविधता की रक्षा करें, भूमि अधिकारों का सम्मान करें और स्वदेशी समुदायों को लाभ पहुँचाएँ।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न. स्वदेशी लोगों पर उपनिवेशवाद के इतिहास पर संक्षेप में चर्चा कीजिये। साथ ही, भूमि अधिकार, सांस्कृतिक संरक्षण और राजनीतिक स्वायत्तता से संबंधित मुद्दों सहित उनके सामने आने वाली समकालीन चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये कौन-सा मंत्रालय नोडल एजेंसी है? (2021)

(a) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
(b) पंचायती राज मंत्रालय
(c) ग्रामीण विकास मंत्रालय
(d) जनजातीय मामलों का मंत्रालय

उत्तर: (d)

प्रश्न. भारत के संदर्भ में 'हल्बी, हो और कुई' शब्द पद किससे संबंधित हैं? (2021)

(a) पश्चिमोत्तर भारत का नृत्यरूप
(b) वाद्ययंत्र
(c) प्रागैतिहासिक गुफा चित्रकला
(d) जनजातीय भाषा

उत्तर: (d)

प्रश्न. भारत के इतिहास के संदर्भ में "उलगुलान" अथवा महान उपद्रव निम्नलिखित में से किस घटना का विवरण था? (2020)

(a) 1857 का विद्रोह
(b) 1921 का मापिला विद्रोह
(c) 1859-60 के नील विद्रोह
(d) 1899-1900 के बिरसा मुंडा का विद्रोह

उत्तर: (d)

प्रश्न. भारत में विशिष्ट रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1. PVTG 18 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में निवास करते हैं।
2. स्थिर या कम होती जनसंख्या PVTG स्थिति निर्धारण के मानदंडों में से एक है।
3. देश में अब तक 95 PVTG आधिकारिक तौर पर अधिसूचित हैं।
4. PVTGs की सूची में ईरूलर और कोंडा रेड्डी जनजातियाँ शामिल की गई हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही है?

(a) 1, 2 और 3
(b) 2, 3 और 4
(c) 1, 2 और 4
(d) 1, 3 और 4

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. स्वतंत्रता के बाद अनुसूचित जनजातियों (एस.टी) के प्रति भेदभाव को दूर करने के लिये, राज्य द्वारा की गई दो मुख्य विधियाँ पहलें क्या हैं? (2017)

प्रश्न. भारत में आदिवासियों को 'अनुसूचित जनजाति' क्यों कहा जाता है? उनके उत्थान के लिये भारत के संविधान में निहित प्रमुख प्रावधानों को इंगित करें। (2016)

प्रश्न. आप उन आँकड़ों की व्याख्या कैसे करते हैं जो दिखाते हैं कि भारत में जनजातियों में लिंगानुपात अनुसूचित जातियों के लिंगानुपात की तुलना में महिलाओं के लिये अधिक अनुकूल है? (2015)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/colonisation-of-indigenous-tribes